

## जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

सामाजिक व्यवस्था की अवधि विभिन्न रूपों में बदलती हुई आज तक तीन वर्षों में इसकी विवरणीय स्थिति बहुत बदल गई है।



**प्राचीन :** गुरुदेवी  
**पुस्तक :** ०६९१-२७५१) २४४२८०१  
 (सिंहल)  
 २४४२४५२ (निराकार)  
**पोस्ट :** {०६९१-३७५१-२३४१७६८  
 E-mail :  
 jwep\_gw@rediffmail.com  
 Website :  
<http://www.jiwaji.edu/>

ପ୍ରେସ୍ :  
କୁଳରାଜ୍ୟ,  
ଜୀବିକାଜୀ ବିଜ୍ଞାନୀଲାଭ  
ପ୍ରାଣଶିଳ୍ପିମୁଦ୍ରା

प्रकाशन : १९६३ अंकवल २०१२। ५७९४

दिनांक : 13/12/12

// अधिसूचना //

निश्चालिकालन अ  
केंद्रक दिनांक १६ अप्रैल  
स्टीज कॉर्टेज अमॉर्फ प्र  
2012-13 के लिये प्र  
साथ प्रदान की जाती है।

### शर्तें एवं प्रतिबंध :-

1. ग्राल्यालय में 05 परिवारों एवं प्रतिकर्व 10 मालक पुस्तके क्रम करें।

आदेशाबसार

कविता

४८

- प्रायार्थ, छत्तीसगढ़ और प्रोटेनिल स्टडीज कॉलेज और हाजूरीराम, शिवायुक्ति लिंक सोइ, लेला की बाबी के पात, व्यालियर
  - राजिक, राष्ट्रीय अध्यापक लिङ्गा परिषद्, गांवा भरव, स्वामता लिंग, शोपात आयुषा, साधारणेश शासव, उच्च लिङ्गा लिंगाज, सतारुदा भरव, बोधात।
  - हंशीर अंतिलिंग सामान, मलग्रादेश शासव, उच्च लिंगा लिंगाज, व्यालिनाट-नेलत समान, गोठी नगल परिसर, व्यालियर।
  - उप-कुललोक (परीक्षा-उपर्युक्त) जीवाजी विश्वविद्यालय, व्यालियर।
  - अधीक्षा कक्ष ग्रामक ८३, जीवाजी विश्वविद्यालय, व्यालियर की ओर मुख्यालय एवं अंतर्राजक कार्यालय त्रैत।

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭୗବତ